बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



वाचा और इन्द्रधनुष

जलप्रलय के बाद परमेश्वर की प्रतिज्ञा की कहानी।



नूह ने वेदी बनाई

जहाज़ से बाहर आने के बाद नूह ने परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाई। वह आभारी था कि वह, उसका परिवार और पशु सुरक्षित रहे थे।



धन्यवाद की भेंट

नूह ने श्रद्धा के साथ परमेश्वर को भेंट चढ़ाई। यह उसका धन्यवाद व्यक्त करने और यह मानने का तरीका था कि पूरे जलप्रलय में परमेश्वर ने उनकी देखभाल की।



परमेश्वर ने उसका धन्यवाद स्वीकार किया

परमेश्वर ने नूह की भेंट को प्रसन्नता से स्वीकार किया। तब उसने ठहराया कि वह फिर कभी ऐसे जलप्रलय से सब जीवित प्राणियों का नाश नहीं करेगा।



पृथ्वी का क्रम चलता रहेगा

जब तक पृथ्वी बनी रहेगी, बोना और काटना, ठंड और गर्मी, गर्मी और जाड़ा, दिन और रात चलते रहेंगे।



परमेश्वर ने परिवार को आशीष दी

परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों को आशीष दी। उसने कहा कि वे परिवार बढ़ाएँ, पृथ्वी को भरें और फिर से शुरू हुए जीवन की देखभाल करें।



जीवन बहुमूल्य है

परमेश्वर ने उन्हें सिखाया कि वे जीवन का आदर करें, क्योंकि मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया है। हर व्यक्ति उसकी दृष्टि में बहुमूल्य है।



परमेश्वर ने वाचा बाँधी

परमेश्वर ने नूह, उसके पुत्रों और उनके वंशजों से कहा कि वह उनके साथ वाचा बाँध रहा है। यह प्रतिज्ञा सब जीवित प्राणियों तक भी पहुँचती थी।



सबके लिए प्रतिज्ञा

इस वाचा में पक्षी, घरेलू पशु और वे सब पृथ्वी के पशु शामिल थे जो जहाज़ से निकले थे। वे फिर कभी पूरे जगत के जलप्रलय से नष्ट नहीं किए जाएँगे।



बादलों में एक चिन्ह

परमेश्वर ने अपने और पृथ्वी के बीच वाचा के चिन्ह के रूप में बादलों में इन्द्रधनुष रखा। उसके रंग हर पीढ़ी को उस प्रतिज्ञा की याद दिलाएँगे।



जब बादल आएँ

जब बादल आकाश को ढकें और इन्द्रधनुष दिखाई दे, तो वह चिन्ह वहाँ होगा। अब वर्षा सब जीवित प्राणियों के विनाश का संकेत नहीं होगी।



परमेश्वर अपनी वाचा याद रखेगा

परमेश्वर ने कहा कि जब वह इन्द्रधनुष देखेगा तो सब जीवित प्राणियों के साथ अपनी सनातन वाचा को स्मरण करेगा। उसकी प्रतिज्ञा अटल है और भूली नहीं जाएगी।



परिवार ने आशा से देखा

नूह और उसके परिवार ने आशा के साथ इन्द्रधनुष को देखा। वे परमेश्वर के वचन और उसकी देखभाल पर भरोसा करते हुए एक नया अध्याय शुरू कर सकते थे।



वाचा का चिन्ह

इन्द्रधनुष पृथ्वी के हर जीवित प्राणी के साथ परमेश्वर की वाचा का चिन्ह बना रहा। जब भी उसके रंग दिखाई देते हैं, वे दया और विश्वासयोग्यता की प्रतिज्ञा याद दिलाते हैं।